- हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति
- हिंदी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन तथा इनके प्रकार
- मुहावरे, लोकोक्तियां, विविध प्रकार के पत्र–लेखन

साहित्य :

कविता :

कबीर : सतगुर सवाँन को सगा, राम नाम के पटतरे (गुरुदेव को अंग), सबै रसायन मैं किया (रस को अंग), कबीर मन मधुकर भया (परचा को अंग)

तुलसीदास : बध्यो बधिक पर्‌यो पुन्य जल, हम लखि लखहि हमार लखि, जड़ चेतन गुन दोष..., नहिं जाचत नहिं संग्रही...।

रहीम : रहिमन निजमन की व्यथा..., रहिमन धागा प्रेम का..., रहिमन पानी राखिए..., कदली सीप भुजंग मुख...।

बिहारी : जप माला छापा तिलक..., तंत्री नाद कवित्त–रस..., कहलाने एकत बसत..., कहत नटत रीझत।

1st sem syllabus

आधुनिक कविता :

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)

ध्वनि (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

अकाल और उसके बाद (नागार्जुन)

एक पारिवारिक प्रश्न (केदारनाथ सिंह)

गद्य साहित्य : दो बैलों की कथा (प्रेमचंद)

गिल्लू (महादेवी वर्मा)

ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु)

अधिकार का रक्षक (उपेन्द्रनाथ अश्क)

AECC-2 **हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण (MIL)**

हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

2nd sem syllabus

LCC-1 Paper-II **MIL-हिंदी भाषा और सम्प्रेषण**

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप

हिंदी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय सम्बंधी।

हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।

3rd sem syllabus

स्वर के प्रकार–ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।

व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।

बलाघात, संगम, अनुताल तथा संधि।

हिंदी वाक्य रचना, वाक्य एवं उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।

भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।